जिंदगी रूकती नहीं बस चलते जाएं, खुशियां मनाएं-डॉ.जयस्वाल

विदर्भ स्वाभिमान,15 अक्तूबर

अमरावती- जीवन में कुछ लोग अपने लिए नहीं तो समाज के लिए अमूल्य होते हैं, ऐसे ही लोगों में हैं सुख्यात चिकित्सक तथा रविनगर क्षेत्र निवासी डॉ. राजकुमार जयस्वाल., वे जहां मानवता की सेवा के प्रति समर्पित हैं, वहीं दूसरी ओर जयस्वाल समाज के मान्यवरों में से एक हैं. दीपावली पर उन्होंने सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिंदगी चलने का नाम है, ऐसे में इसमें सुख-दुख आते रहते हैं. लेकिन हम जिस भाव से इसे स्वीकार करते

हैं, उसी भाव से यह हमें खुशी और गम देती है. दीपावली के साथ ही भारत के जितने भी त्यौहार हैं, वह सभी सदा हमें खुशियां देते हैं. यह त्यौहार जहां त्याग का प्रतीक होता है, वहीं दूसरी ओर यह त्यौहार हमें केवल अपने लिए ही जीने का मतलब नहीं रहता है. जब हम दूसरों की खुशी की चिंता करते हैं तो निश्चित तौर पर परमात्मा हमारी खुशियों की चिंता करते हैं. दीपावली के पावन पर्व पर अगर हमसे कोई कमजोर है तो निश्चित तौर पर उनकी मदद का प्रयास करना चाहिए.

जीवन में भला शब्द का उल्टा लाभ होता है और दया का उल्टा याद होता है. जब हम निःस्वार्थ भाव से किसी मजबूर, पीड़ित का भला करते हैं तो इतना तय है कि इसका लाभ हमें निश्चित ही होना है. जीवन में जो आया है, उसका जाना अटल है. लेकिन केवल हमारे अच्छे कार्य ही हमें सदा याद करवाते हैं. उनके मुताबिक जीवन में माता-पिता और परिवार किसी भी व्यक्ति के जीवन की खुशी का सबसे बड़ा माध्यम होता है. दीपावली पर त्याग के संकल्प के साथ ही सदा जितना अच्छा हो सके करने का प्रयास रखें . निश्चित तौर पर विधाता हर मुसीबत से हमें उबार लेता है. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी.

शुभेच्छुक

रितेश शिरभाते, अमित शिरभाते तथा परिवार

समाजसेवी तथा सफल व्यवसायी,अमरावती.

तीन साल में महाराष्ट्र में 537 तेंदुओं की मौत

नई दिल्ली-महाराष्ट्र में बाघ और तेंदुओं को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं. 2022 से सितंबर 2025 के बीच राज्य में 142 बाघ कम हो गए हैं और 537 तेंदुओं की भी मौत हो चुकी है. वहीं, ज्यादातर बाघों और तेंदुओं की मौत की वजह अवैध शिकार, दुर्घटना और बिजली के झटके लगने के कारण हुई है.नागपुर के वन संरक्षक अधिकारी ने एक आरटीआई के जवाब में यह आंकड़ें पेश किए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में इस साल सितंबर तक 35 बाघ और 115 तेंदओं की जान गई है. इससे पहले 2024 में 26, 2023 में 52 और 2022 में 29 बाघों की मृत्यु हुई थी.इनमें 21 बाघों की मौत की वजह प्राकृतिक कारण हैं. वहीं, दुर्घटना से 5, बिजली के झटके लगने और अवैध शिकार से 5 बाघ मारे गए. हालांकि, 4 बाघों की मरने की वजह साफ नहीं है.कई शिकारी बाघों और तेंदुओं को खाल या पंजों के लिए निशाना बनाते हैं.

दीपपर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

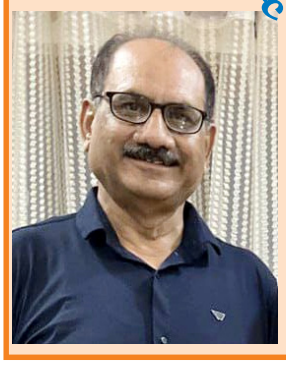

-शुभेच्छुक-

हेमंतकुमार पटेरिया, सौ.अनुराधा पटेरिया तथा परिवार

न्यू गणेश कॉलोनी,अमरावती.

दीपपर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

-शुभेच्छुक-

डॉ.राजकुमार जयस्वाल परिवार

सुख्यात चिकित्सक, समाजसेवी,पूर्व अध्यक्ष जयस्वाल युवा संगठन, रविनगर,अमरावती.

दीपपर्व पर सभी जिलावासियों तथा देशवासियों को हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ

-शुभेच्छुक-

दिलीपभाई पोपट, रघुवीर ग्रुप प्रमुख तथा समाजसेवी,अमरावती.

संयुक्त परिवार: खुशियों का मूल आधार

प्रा.डॉ. अजय बोंडे का परिवार,रहती है जहां खुशियों की बहार

ाापक डॉक्टर अजय बोंडे का परिवार आदर्श परिवार के रूप में जाना जाता है. अजय और संजय जहां साथ रहते हैं वहीं घर में सदा खुशी का वातावरण रहता है. उनका मानना है कि जिस घर में दादा-दादी चाचा चाचा और सभी भाई एक साथ रहते हैं वह परिवार न केवल प्रगति करता है बल्कि सभी में निश्चिंतता रहती है. इससे आर्थिक प्रगति के साथ बच्चों को आदर्श संस्कार मिलता है और परिवार की एकता उसकी सबसे बड़ी ताकत बनती है. बिखरे परिवारों का जिक्र करते हुए वह कहते हैं कि वर्तमान में साधन और सुविधाएं आराम के साधन तो इंसान ने भरपूर जुटा लिए हैं, लेकिन इस आपाधापी में उसकी वास्तविक खुशी कहीं गायब हो गई है और गरीब हो अथवा अमीर मानसिक तनाव ने सभी को परेशान किया है. लेकिन संयुक्त परिवार और सभी सदस्यों के बीच का प्रेम इस तनाव की रामबाण दवा है. यहां खुशी के साथ ही मुसीबत भी इस तरह बंट जाती है, पता भी नहीं चलता है.

संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर परंपराओं में से एक है. इसमें दादा-दादी, माता-पिता, बच्चे और अन्य परिजन एक साथ रहते हैं. ऐसे परिवार में प्रेम, सहयोग और अपनापन भरा होता है.हर सदस्य एक-दूसरे की जिम्मेदारियों में साथ देता है.बच्चों को बड़ों से संस्कार और जीवन-मूल्य सीखने का अवसर मिलता है, जबकि बुजुर्गों को सम्मान और स्नेह मिलता है.

संयुक्त परिवार में त्योहारों, जन्मदिनों और छोटी-छोटी खुशियों का आनंद मिलकर मनाया जाता है, जिससे घर हमेशा हंसी-खुशी से भरा रहता है. यही कारण है कि संयुक्त परिवार को वास्तव में खुशियों का पिटारा कहा जाता है, जहाँ प्यार, सहयोग और एकता की मिठास कभी खत्म नहीं होती. संयुक्त परिवार से तरक्की, खुशियां तथा सभी प्रकार की सुविधा जहां मिलती है वहीं दूसरी ओर हर व्यक्ति निश्चिंत जीवन जीता है.अपना अनुभव बताते हुए वह कहते हैं कि मां की कुशल नेतृत्व में आज भी यह आदर्श परिवार है और सभी सदस्य एक दूसरे से निर्मल मन से प्रेम करते हैं. दीपावली पर उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी. परिवार में प्रा.अजय बोंडे और छोटे भाई संजय के साथ दोनों ही धर्मपत्नी की समझदारी के कारण बों डे परिवार में सदा खुशियों की बहार रहती है. माताश्री का आशिर्वाद और सभी का प्यार खुशियों की बहार है.

कर्मठ अधिकारी हैं मनपा उपायुक्त नरेन्द्र वानखडे

अमरावती-अधिकार की बजाय मानवता को अत्याधिक महत्व देकर काम करने वाले संवेदनशील तथा अनुशासन प्रिय अधिकारी के रूप में मनपा उपायुक्त नरेन्द्र वानखडे का उल्लेख किया जा सकता है. मानवता को ध्यान में रखते हुए काम करने का उनका तरीका, गरीबों, बुजुर्गों, महिलाओं की समस्याओं का निराकरण करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं. पिछले दिनो बडनेरा में आधार निवारा केन्द्र के कार्यक्रम में उनसे मुलाकात का योग आया. इस दौरान बुजुर्गों के प्रति उनका भाव जहां दिखाई दिया, वहीं दूसरी ओर महानगर पालिका में पहुंचने वाले जरूरतमंद की मदद करने का भाव रखते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जनता के कल्याण की विभिन्नि योजनाओं को चलाया जा रहा है. उसे प्रभावी तरीके से लागू करने के अलावा सभी लोगों को इसका लाभ देने के लिए उनका प्रयास रहता है. नरेन्द्र वानखडे अधिकारी ही नहीं तो संवेदनशील अधिकारी रहने के कारण लोगों की शिकायतें सुनने के साथ ही इसका निराकरण करने का सदा भाव रहता है. यही कारण है कि लोग भी बेझिझक उनके पास शिकायतें लेकर जाते हैं. युवा अधिकारी के साथ ही संवेदनशील अधिकारी रहने के कारण लोगों का विश्वास और प्रेम अपनी ताकत मानते हैं. मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा के मार्गदर्शन में सदा बेहतरीन करने का प्रयास करने की बात कहते हैं. उन्होंने दीपावली को त्याग का प्रतीक पर्व बताते हुए जितना संभव हो, उतना समाज तथा राष्ट्र के लिए अपना योगदान देने का आग्रह सभी से करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी.

शुभेच्छुक
प्रा.डॉ.अजय बोंडे,संजय बोंडे तथा समस्त बोंडे परिवार, महालक्ष्मी नगर,अमरावती.

ग्रामपंचायत कार्यालय येनस

पंचायत समिती नांदगाव खंडेश्वर, जिल्हा परिषद अमरावती

सरपंच सचिव ग्रामपंचायत येनस तालुका नांदगाव खंडेश्वर जिल्हा अमरावती कडून कोऱ्या निविदा देण्यात येईल ग्रामपंचायत येनस येनस तालुका नांदगाव खंडेश्वर जिल्हा अमरावती यांचे मार्फत पंधरा वित्त आयोग, अनुसूचित जाती व नवबौद्ध घटकांचा विकास व स्वच्छ भारत मिशन या योजनेकरिता खालील कामाचे मोहोर बंद निविदा बी-1 टक्केवारी प्रपत्रांमध्ये बांधकाम विभाग जिल्हा परिषद अमरावती यांच्या नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित किंमत	बयाणा रक्कम	कोऱ्या निविदेची किंमत	अनामत रक्कम डी.डी.	लेखा शीर्षक	पंजीबंध कंत्राट दाराचे वर्गीकरण	कामाचा कालावधी	निविदा विक्री व दाखल करण्याचा दिनांक व वेळ	निविदा उघडण्याची दिनांक व वेळ
१	पाणी पुरवठा योजना विशेष देखभाल /दुरुस्ती	२००००० /-	1% प्रती काम	१००० /- रुपय प्रती काम	२००० /-	१५ वित्त आयोग	वर्ग ५ व त्या वरील	६ महिने	१५/१०/२०२५ ते २४/१०/२०२५ कार्यालयीन वेळेत	२७/१०/२०२५ सकाळी १०.०० वाजता
२	पाणी टाकीदुरुस्ती	१७००००/-			१७०० /-	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
३	बंदिस्त गटारे बांधकाम	३२००००/-			३२०० /-	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
४	बंदिस्त गटारे बांधकाम	२००००० /-			२००० /-	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
५	काँक्रिट रस्ता बांधकाम	१७००००/-			१७०० /-	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
६	काँक्रिट रस्ता बांधकाम	१००००० /-			१००० /-	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
७	शाळा वर्ग खोली दुरूस्ती	८००००/-			८०० /-	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
८	अंगणवाडी दुरूस्ती	७००००/-			७०० /-	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
९	काँक्रिट रोड व नाली रस्ता	३००००० /-			३००० /-	अ.जा.न.बा. वस्तीचा विकास सन २०२४/२५		६ महिने		
१०	काँक्रिट रोड व नाली रस्ता	४००००० /-			४००० /-	अ.जा.न.बा. वस्तीचा विकास सन २०२४/२५		६ महिने		
११	सार्वजनिक शौचालय बांधकाम	३००००० /-			३००० /-	स्वच्छ भारत मिशन		६ महिने		

टीपः-

1. निविदेच्या अटी व शर्ती ग्रामपंचायत कार्यालय येनस येथे कार्यालयीन वेळेत पहावयास मिळतील, कोणत्याही whatsapp ग्रुप वर टाकण्यात येणार नाही.
2. अनामत रक्कम डी.डी स्वरुपात सरपंच / सचिव ग्रामपंचायत येनस खाते क. 046006600000463 दि. अमरावती जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँक लि., अमरावती. यांच्या नावाने काढण्यात यावा.
3. निविदा ही पंजीबंध तात्रिक व निविदा लिफाफा मध्ये असावेत, तांत्रिक लिफाफा उघडल्यानंतर सर्व कागद पत्रे असणे आवश्यक आहे, नंतर वेळ दिल्या जाणार नाही.
4. निविदा लिफाफा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणात्सव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार ग्रा.प. ने राखीव ठेवले आहे.
5. सुट्टीच्या दिवशी कार्यालइन वेळेत निविदा स्वीकारण्यात येईल.

सचिव
ग्रामपंचायत कार्यालय
येनस

संयुक्त परिवार है आज की सबसे बड़ी जरूरत

सभी के जिम्मेदारी सही तरीके से निभाने से होगा सुधार-हेमंतकुमार पटेरिया

दीपावली त्याग के साथ ही लोगों को खुशियां देने का त्यौहार है. बिना परिवार के खुशी संभव नहीं होती है. संयुक्त परिवार तो खुशियों का आधार होता है. यही कारण है कि यहां पर संयुक्त परिवार के अभाव में खुशियां गायब हुई हैं. जो लोग अपनों के नहीं होते हैं, वह किसी के नहीं हो सकते हैं. इसलिए अपने लोगों की भावनाओं को सदा समझने का प्रयास करना चाहिए. जो स्वयं जलकर भी औरों को उजाला देता है. जीवन में खुशियां केवल धनदौलत से नहीं आती है, वह आती हैं अपनों के प्रेम, अपनों के अपनेपन और एक दूसरे से सम्मान से किए जाने वाले व्यवहार है. आज के दौर में कई बार एकाकी वाली स्थिति आती है. लोगों को उंगली दिखाना आसान रहता है लेकिन स्वयं आदर्श रहना कठिन रहता है.

इन्सान केवल अपने लिए नहीं होना चाहिए. वह परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए भी समर्पित होना चाहिए. परिवार में अच्छा रहने वाला व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए अच्छा रहना ही है. आज खुशियां कहीं न कहीं सिमट रही है, लोग अपने आप को ही सही मानने की भावना बढ़ रही है. ऐसे में यह जरूरी है कि जितना संभव हो सके हम स्वयं के साथ ही समाज और राष्ट्र के लिए भी समर्पित रहने का प्रयास करें. दीपावली भी हमें परमार्थ की ही सीख देती है. अपने लिए तो जानवर भी जी लेते हैं. लेकिन जो व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं बल्कि मानवता की सेवा, जरूरतमंदों की यथासंभव मदद के लिए जीता है, असली जिंदगी में वह भी किसी हीरो से कम नहीं होता है. मानवता की सेवा भी सबसे बड़ी सेवा होती है. ऐसे में हर व्यक्ति को इस सेवा को करने का प्रयास करना चाहिए. अमरावती शहर में परशुराम अन्नदान सेवा समिति ने सेवा के दो साल पूरा कर लिया है. यह गौरव के साथ ही गर्व की भी बात है. युवाओं का इसी तरह का प्रयास भावी पीढ़ी के लिए आदर्श बनता है. समाजसेवी, मानवसेवी सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता हेमंतकुमार पटेरिया जीवन में स्वयं बेहतरीन रहने के साथ ही हर नेक काम में सहयोग की भावना रखते हैं. दीपावली के पावन पर्व पर उन्हों ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी है.

संयुक्त परिवार होती है सबसे बड़ी ताकत

विदर्भ स्वाभिमान

अविनाश सोनटक्के

अमरावती- ज़ीवन में एकता का बड़ा महत्व होता है. इसकी शुरूवात घर से होती है. जहां एकता है, वहीं शक्ति है. संयुक्त परिवार सबसे बड़ी ताकत होती है. इसके बाद समाज और राष्ट्र की एकता ही विकास का मार्ग तय करती है. इसलिए एकता के सूत्र में सदा बंधा रहना चाहिए. इस आशय का मत युवा व्यवसायी अविनाश सोनटक्के ने किया. उनके मुताबिक राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं हो सकता है. न धर्म न कास्ट, सबसे पहले राष्ट्र को वे महत्वपूर्ण बताते हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में राष्ट्रप्रेम को ही सर्वोपरि मानते हुए देश को विकास के मार्ग पर अग्रसर किया है, वे युवाओं के जहां आदर्श हैं, वहीं आज देश सभी मोर्चों पर तरक्की कर रहा है. जो पड़ोसी देश सदैव खुराफात करते थे, उनके यहां खाने के लाले पड़ गए हैं, इस तरह की बेहतरीन भूमिका के साथ ही राम मंदिर का निर्माण हो, देश में राष्ट्रीय महामार्गों का जाल हो अथवा अंतरिक्ष में भारत का परचम फहराने का काम भाजपा सरकार ने किया है. यह कहना है कि भाजपा के अंबापेठ मंडल के महासचिव, सुख्यात युवा व्यवसायी, अर्चना मेडिकल्स, कृष्णा फार्मासी के संचालक अविनाश सोनटक्के का. उनके मुताबिक राष्ट्र अगर सुरक्षित रहेगा तो ही कोई भी तरक्की कर सकेगा, सुख का जीवन बिता सकेगा. इसलिए सर्वप्रथम राष्ट्र और इसके बाद ही अन्य बात हो सकती है.

देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत रहने वाले अविनाश सोनटक्के जितने सफल व्यवसायी हैं, उससे भी अच्छे इन्सान हैं. सामाजिक कामों में अग्रणी रहने के साथ ही धर्म, कर्म के साथ ही शहर के विकास के बारे में भी सदैव तत्पर रहते हैं. यारों के दिलदार यार के रूप में अविनाश सोनटक्के न केवल शहर गरीब, जरूरतमंद मरीजों को समुचित मार्गदर्शन देने के साथ ही यथासंभव मदद करने वाले व्यवसायी हैं. उनका स्पष्ट मानना है कि युवाओं में असीमित क्षमता होती है. जरूरत इसे गति देने की रहती है. भारत युवाओं का देश है, अगर इसका सही उपयोग हो सके तो निश्चित तौर पर हमारा देश विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति बन सकता है. नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बात लगातार साबित हो रही है. इसके लिए सभी से समुचित ध्यान देने का आग्रह कर दीपावली की शुभकामनाएं दी.

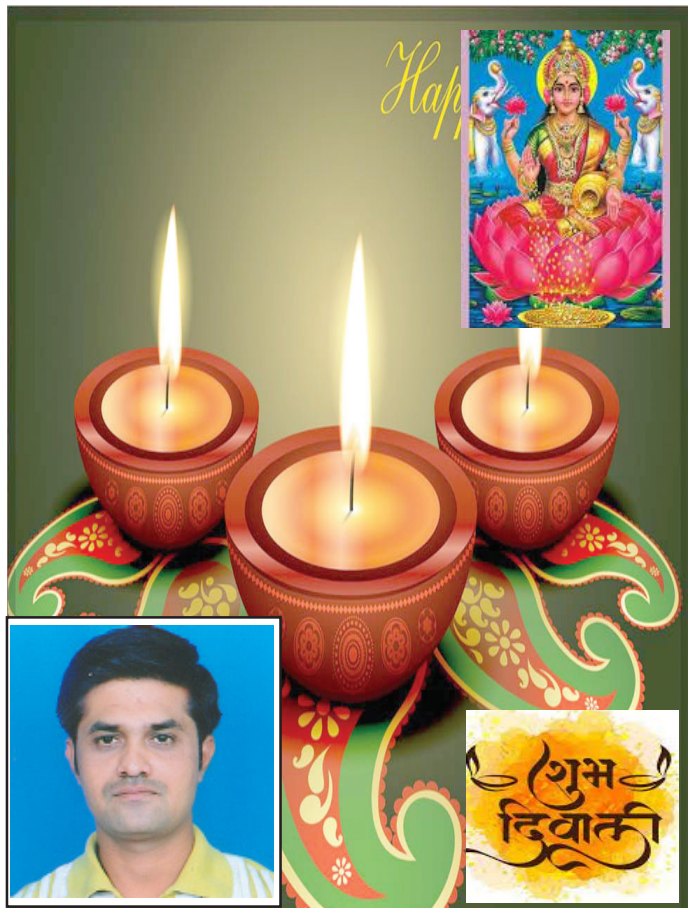

- शुभेच्छुक -

अविनाश सोनटक्के (युवा व्यवसायी और समाजसेवी) तथा परिवार, अमरावती.

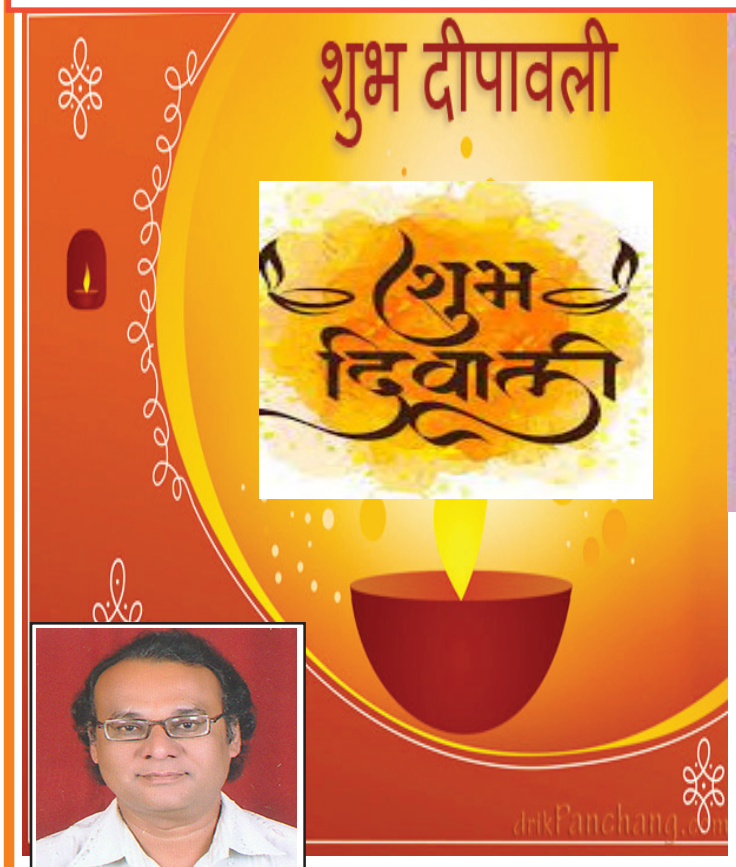

दीपावली तथा नववर्ष की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं,सभी का जीवन खुशियों से आबाद रहे, यही कामना.

- शुभेच्छुक -

डॉ.राजेन्द्र नवाथे, सौ. नवाथे परिवार

संचालक-राजलक्ष्मी मेडिकल्स, नवाथे प्लॉट, कृष्णार्पण कॉलोनी, अमरावती.

शुभेच्छुक

एड.नरेन्द्र बैजनाथजी दुबे सुख्यात अधिवक्ता एवं समाजसेवी, सौ. दुबे तथा दुबे परिवार,अमरावती.

अपने कार्यों से लोगों के दिलों में रहते हैं कुछ अधिकारी

देवरणनगर केन्द्र के लिए सदा बेस्ट रहे हैं सुधीरकुमार वानखडे, धुमाले, गुर्जर जैसे सहायक अभियंता,सेवा को देते हैं सदा महत्व

विदर्भ स्वाभिमान,15 अक्तूबर अमरावती- किसी भी विभाग का कर्मठ और संवेदनशील अधिकारी लोगों के दिलों में रहता है. अमरावती में कई ऐसे अधिकारी हुए हैं, जो आज भी सम्मान से याद किए जाते हैं. इसी तरह देवरणनगर बिजली केन्द्र के समर्पित,कर्मठ अधिकारी के रूप में सुधीर कुमार वानखडे, रवि धुमाले तथा वर्तमान अधिकारी गुर्जर के साथ ही एमआईडीसी केन्द्र के बिपिन श्रीराव की संवेदनशीलता भी निश्चित तौर पर सराहनीय है. तीनों ही अधिकारियों में सेवा का भाव रहने के कारण कभी भी यह ग्राहकों के दिलों में अपनी जगह बनाएं हैं. कुछ साल पहले तक जहां इस केन्द्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में बिजली की आंखमिचौली से लोग त्रस्त थे, लेकिन वानखडे के पश्चात धुमाळे की कर्मठता के कारण आज क्षेत्र में बिजली की समस्या से राहत मिली है. आदर्श बिजली बोर्ड अधिकारी समाज के विकास का अदृश्य नायक होता है. उसकी मेहनत से घरों में उजाला, उद्योगों में प्रगति और गांवों में रोशनी रहती है. उसका कार्य केवल बिजली पहुंचाना नहीं, बल्कि ऊर्जा के माध्यम से जीवन में प्रकाश फैलाना है.महावितरण की जिम्मेदारी भी सबसे महत्वपूर्ण होती है. उक्त तीनों ही अधिकारियों ने अपने कार्य से इस तरह का स्थान बनाया था कि आज भी लोग उनके कार्यों को लेकर गर्व का अनुभव करते हैं. महावितरण के एमआईडीसी केन्द्र के उपअभियंता बिपिन श्रीराव भी ऐसे ही अधिकारी हैं, ग्राहकों की शिकायतों को न केवल गंभीरता से लेते हैं, बल्कि उसका निराकरण करने के लिए दिल से प्रयास करते हैं, यही कारण है कि यह अधिकारी ग्राहकों के दिलों में बैठते हैं.

महावितरण में जहां ऐसे अधिकारियों के कारण कंपनी की साख बनती है, वहीं काम तो सभी को करना होता है लेकिन अपने काम के तरीके की छाप कुछ ही लोग डाल पाते हैं.

बिजली बोर्ड का अधिकारी वह व्यक्ति होता है, जो जनता तक सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाता है. एक आदर्श अधिकारी वह होता है जो केवल अपने पद का दायित्व नहीं निभाता, बल्कि जनता की सुविधा, पारदर्शिता और सेवा भावना को सर्वोपरि मानता है. उक्त तीनों ही अधिकारी अपने कार्य में पूरी जिम्मेदारी दिखाते है, समय पर निर्णय लेने है और आपूर्ति बाधित होने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए ग्राहकों को तत्काल राहत दिलाते हैं. तीनों का यद्यपि यहां से तबादला हुआ है लेकिन आज भी उनके कार्यों की प्रशंसा करने वालों की कमी नहीं है. वह यहीं नहीं जहां भी जाते हैं, अपनी अमिट छाप कार्य के बलबूते छोड़ आते हैं. रवि धुमाले फिलहाल अकोला तथा सुधीर कुमार वानखडे का भी प्रमोशन होकर वे भी जहां सेवारत हैं, वहां के लोगों का दिल जीतने में सफल हो रहे हैं. ऐसे ही अधिकारी हैं कार्यकारी अभियंता प्रदीप अंधारे. अमरावती में डफरीन में सेवा के दौरान उनकी कर्मठता देखने का मौका मिला. ग्राहकों की शिकायतों को सदा गंभीरता से लेने और उसका निराकरण करने में अग्रणी रहते थे.जनता की शिकायतों को सहानुभूति और तत्परता से सुनना सभी का प्रमुख गुण होता है. वह हर उपभोक्ता को सम्मानपूर्वक व्यवहार देने के साथ उनकी शिकायतों का निराकरण करने तत्पर रहते हैं. बिजली व्यवस्था, ट्रांसफार्मर, मीटरिंग, बिलिंग और वितरण की तकनीकी जानकारी होती है, जिससे समस्याओं का समाधान शीघ्र हो सके.

भ्रष्टाचार और पक्षपात से दूर रहकर वह निष्पक्ष निर्णय लेता है. कार्य में पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा उसकी पहचान होती है. कार्यकारी अभियंता प्रदीप अंधारे के मुताबिक हमें जो जिम्मेदारी दी जाए, उसे समर्पित और सही तरीके से निभाने का प्रयास किया जाता है. जिस तरह समर्पित मन से किया गया कार्य कभी विफल नहीं होता है, उसी तरह दिल से किया गया कोई काम कभी फेल नहीं हो सकता है. बिपिन श्रीराव स्वभाव के जहां बेहतरीन अधिकारी हैं, वहीं ग्राहकों की समस्या का निराकरण करने में उनकी तत्परता सराहनीय है. बारिश, तूफान या अन्य आपदाओं के समय वह टीम का नेतृत्व करते हुए अपने कर्मचारियों के साथ सहयोगपूर्ण वातावरण बनाकर कार्य करवाने में माहिर हैं. काम सभी करते हैं लेकिन दिल से कार्य करने वाले सदा याद किए जाते हैं. ऐसे अधिकारियों को विदर्भ स्वाभिमान सैल्यूट करता है.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

- शुभेच्छुक -
प्रदीपभाऊ सोनटक्के, सौ. सोनटक्के
तथा परिवार, शंकर नगर रोड, अमरावती

वैद्यकीय सेवा को डाक्टर शर्मा दम्पति ने किया गौरवान्वित

मरीजों की बेहतरीन सेवा के साथ देते हैं सही राय,हजारों की हासिल की है दुवाएं,जीता है विश्वास,समूचे विदर्भ से आते हैं मरीज

अमरावती -कहते हैं कि ज़ीवन में सैकड़ों लोग आते हैं लेकिन कुछ ही लोग दिल में अपना प्रेम पैदा कर पाते हैं. ऐसे ही लोगों में हैं शर्मा चिल्ड्रेन्स हास्पीटल के संचालक डॉ.राजेश शर्मा और डॉ.प्रांजलताई शर्मा. पिछले 25 साल से अधिक समय से दोनों के अपनेपन और आत्मीयता का अनुभव निश्चित तौर पर जीवन की बड़ी पूंजी से कम नहीं है. सम्पन्नता में भी कोई किस तरह विनम्रता के साथ संबंधों को निभाता है, इसके यह दोनों ही परिचायक हैं. गोविंदा के भक्त रहने के साथ ही काम के प्रति उतने ही संवेदनशील और समर्पित. आज दोनों ने अपने क्षेत्र में आसमानी बुलंदी हासिल करते हुए सदा वैद्यकीय सेवा के क्षेत्र को गौरवान्वित किया है. गरीब से गरीब मरीज को हिम्मत बंधाने का कार्य दोनों करते हैं. वे कहते हैं कि दिल से और नेक भाव से किया गया कोई काम बेकार नहीं जाता है.

जीवन में की गई अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती है. वैसे ही बुरा कर्म कभी इन्सान का साथ नहीं छोड़ता है. वैद्यकीय व्यवसाय के मामले में आज लोगों की भावना बदलने लगी है. इसके बाद भी आज भी कई डाक्टर ऐसे हैं, जिनको लोग किसी देवदूत से कम नहीं मानते हैं. ऐसे ही डाक्टर दम्पति के रूप में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा और महिला रोग व प्रसूति तज्ञ के रूप में डॉ. प्रांजल शर्मा का उल्लेख किया जा सकता है. दोनों जितने काबिल डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन संवेदनशील और दूसरों की भावनाओं का ख्याल करने के साथ ही सदैव सहयोग करने वाले आदर्श दम्पति हैं. ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जब डॉ. शर्मा दम्पति को लोग देवदूत से कम नहीं मानते हैं. इस बारे में दोनों का कहना है कि प्रभु ने उन पर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे निभाने का प्रयास वे करते हैं. बेटे डॉ.अथर्व की शादी में उमड़े लोग इस बात के सबसे बड़े उदाहरण थे कि यह दम्पति संबंधों को भी कितना महत्व देता है.

वैद्यकीय क्षेत्र में विश्वसनीयता इतनी है कि अस्पताल में सदैव मरीजों की भीड़ रहती है. महिलाओं को समुचित मार्गदर्शन करने के साथ ही कम खर्च में बेहतरीन इलाज के कारण ही दोनों को अभी तक कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. उल्लेखनीय मरीज सेवा के लिए डॉ. प्रांजल शर्मा को राज्यपाल के हाथों पुरस्कार प्राप्त हो चुका है. वैद्यकीय क्षेत्र को व्यवसायकी बजाय सेवा का माध्यम मानने वाली डॉ.प्रांजल शर्मा फिलहाल जिला महिला प्रसूति संगठन की अध्यक्ष क़े रूप में भी कई बेहतरीन उपक्रम उन्हों ने शुरू किए. ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं अपार विश्वास के साथ आती हैं. गरीब मरीजों की यथासंभव मदद के लिए भी सदैव तत्पर रहती हैं. सामाजिक दायित्व की भावना से कई स्वास्थ्य जांच शिविरों में योगदान, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जनजागरण के साथ ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर भी सदैव काम किया है. बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा और महिला रोग व प्रसूति तज्ञ के रूप में डॉ. प्रांजल शर्मा सेवाभावी डाक्टर हैं, जो मरीज सेवा को ही ईश्वर सेवा मानते हैं.दोनों ने दीपावली को त्याग का पर्व बताते हुए सभी से अपनी खुशियों में इससे वंचित लोगो ंको भी शामिल करने और खुशियां बांटने का संदेश देते हुए शुभकामनाएं दी हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

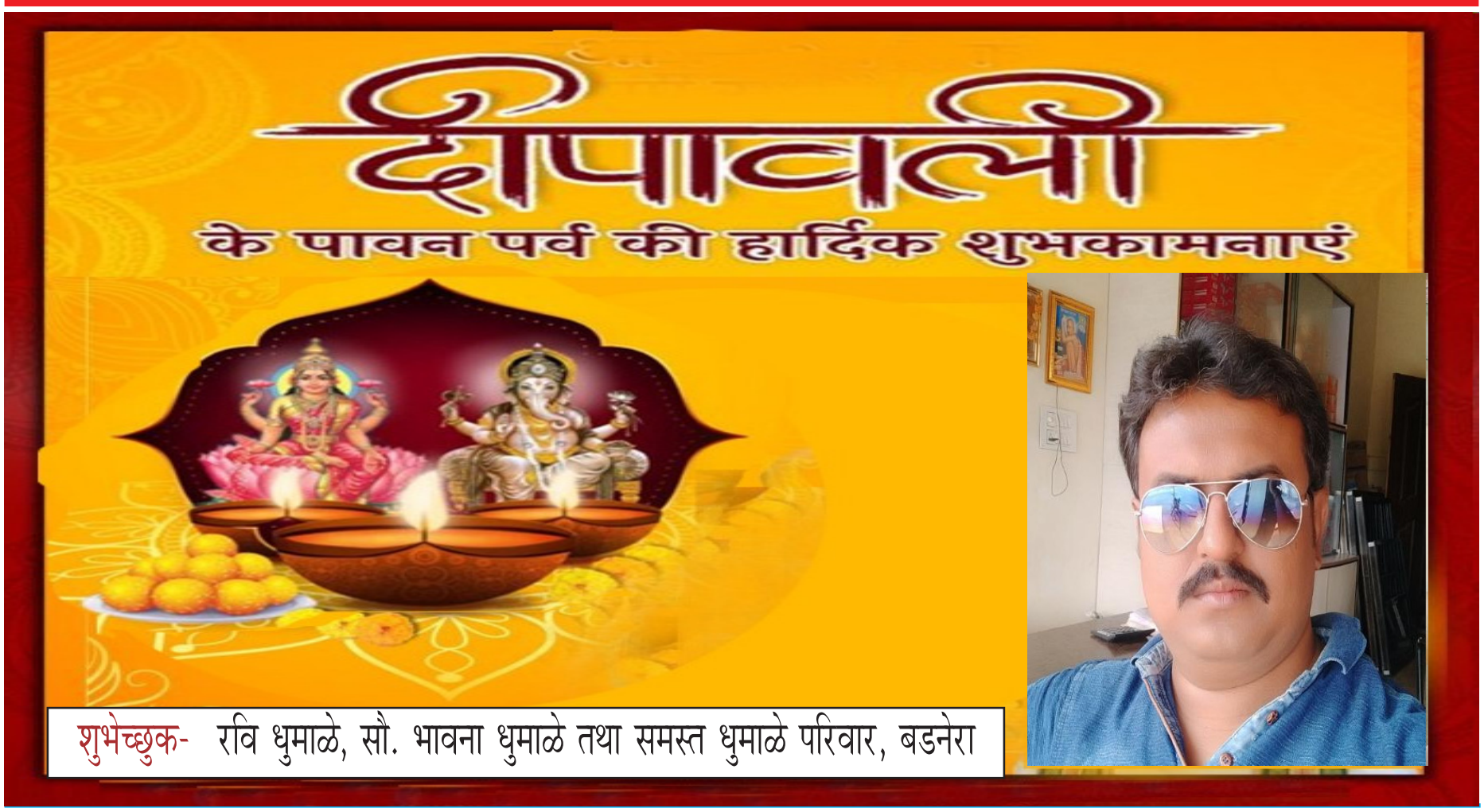

ख़ुशियां बांटते रहें, बढ़ कर लौटेंगी, अपार संतोष मिलेगा

उपाध्याय ड्रायफ्रूट एवं उपाध्याय मिठाईयों के संचालक रामेश्वर उपाध्याय ने कहा,ग्राहकों का विश्वास सबसे बड़ी कमाई

अमरावती- दीपावली का पर्व त्याग के साथ ही खुशियों का पर्व रहता है. लेकिन इस दौरान मानवता की मिसाल भी दिखाई देती है. शहर में विभिन्न संगठनों द्वारा गरीबों, मजबूरों, आदिवासियों, दिव्यांगों की मदद का सिलसिला चलता है. दीपावली खुशहाली का माध्यम बनना चाहिए. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और व्यवसायी उपाध्याय व्यावसायिक ग्रुप के प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय ने किए. उनके मुताबिक हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के मुताबिक अपने से कमजोर समाजबंधु अथवा व्यक्ति की मदद करने का प्रयास करना चाहिए. उनके मुताबिक जो लोग दूसरों को खुशियां बांटते हैं, परमात्मा की सदा उन पर कृपा रहती है, इसकी सीख निश्चित तौर पर दीपक देता है, जो स्वयं जलकर भी अन्यों को उजाला देता है. वे कहते हैं कि हमारी सम्पन्नता हमारी मेहनत तो है लेकिन परमात्मा की कृपा और नेकियों का आशिर्वाद भी होता है. वर्ना दुनिया में हमसे भी बेहतरीन सोच रखने वाले जिंदगी भर परेशान रहते हैं. वहीं हमारी थोड़ी सी मेहनत भी हमें कामयाब बनाती है.

किसी भी क्षेत्र में कामयाबी स्पर्धा के दौर में आसान नहीं है. लेकिन इसके साथ ही काम के प्रति समर्पण हो, मेहनत तथा लगन की तैयारी हो तो कोई भी बात असंभव भी नहीं है. इस आशय का प्रतिपादन शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात समाजसेवी एवं उपाध्याय ड्रायफ्रूटस जवाहर गेट के भीतर के संचालक एवं समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय ने किया है. उनके मुताबिक दीपावली खुशियों का त्यौहार है, ऐसे में सभी को अपने स्तर पर अपने से कमजोर वर्गों को मदद करने का काम करना चाहिए.इससे निश्चित ही आत्मिक प्रसन्नता के साथ ही मानवता की ज्योति जलाने में मदद मिलती है. दीपावली वैसे भी त्याग का ही तो संदेश देता है.

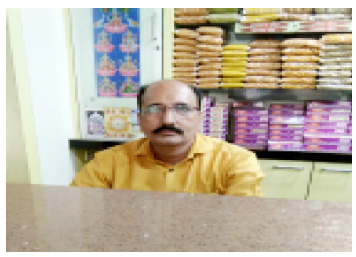

विदर्भ स्वाभिमान के साथ दीपावली के उपलक्ष्य में बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में जवाहर गेट के भीतर उपाध्याय ड्रायफ्रूट की स्थापना की. ग्राहकों के प्यार और विश्वास के बलबूते अल्प समय में ही इस प्रतिष्ठान ने नाम कमाया और आज सुबह से लेकर रात तक ग्राहकों की भीड़ रहती है. यहां पर ड्रायफ्रूट की पूरी रेंज उपलब्ध रहती है. इसमें काजू, बादाम, पिस्ता, अंजीर, अखरोट, किसमिस, जरद आलू, चिलगोजा, खजूर, खारिक, काली मनुक्का अबनोस के साथ अन्य जरूरी साहित्य वाजिब कीमत पर बेहतरीन गुणवत्ता में उपलब्ध रहता है. अपनी अथक मेहनत, लगन, परिवार के साथ के कारण आज कामयाबी की बुलंदी हासिल करने वाले रामेश्वर उपाध्याय इतनी ऊंचाई पर रहने के बाद भी उनकी शालीनता, सादगी तथा विनम्रता किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहती है. यही कारण है कि हजारों मित्र परिवार तैयार हुए हैं. दोनों ही प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की भीड़ जहां उनकी लोकप्रियता का सबूत है, वहीं हर ग्राहक के साथ आत्मीयता से बातचीत करने वाली उनकी अदा के कारण एक बार आने वाला ग्राहक हमेशा का हो जाता है.

आज के दौर में जहां परिवार संस्कृति प्रभावित हो रही है, हम दो,हमारे दो का चल रहा है लेकिन शहर में आज भी कई ऐसे संयुक्त परिवार हैं, जो ताकत,एकता, आपसी प्रेम तथा विश्वास के पुरोधा बने हैं. ऐसे ही परिवार में शामिल है रामेश्वर उपाध्याय. बड़े रहने के बाद भी बच्चों पर विश्वास के साथ बच्चों ने भी जिस तरह से व्यवसाय को संभाल लिया है. कामयाबी की आसमानी बुलंदी पर पहुंचने के बाद भी उनमें गर्व या अहंकार बिल्कुल ही नहीं है. दीपावली पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं. साथ ही सभी के जीवन में अपार खुशी और प्रेम का विश्वास व्यक्त किया. उन्हों ने कहा कि सभी का जीवन खुशियों से लबरेज रहे.

ग्राहकों का प्यार,विश्वास है असली दौलत

उपाध्याय प्रतिष्ठान के संचालक, भक्तिभाव से परिपूर्ण रहने वाले रामेश्वर उपाध्याय के मुताबिक ग्राहकों का विश्वास ही उपाध्याय मिठाईयों और उपाध्याय की ड्रायफ्रूट्स की कामयाबी का कारण है. तत्पर, विश्वसनीय और जल्द सेवा देने का प्रयास सदा करते हैं.

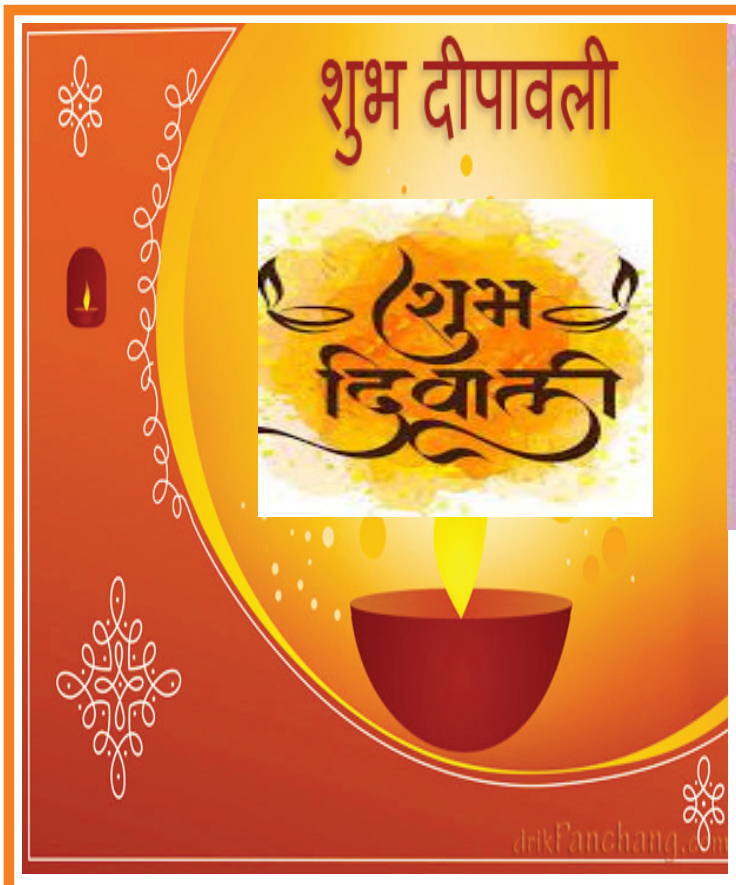

दीपावली तथा नववर्ष की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं,सभी का जीवन खुशियों से आबाद रहे, यही कामना.

- शुभेच्छुक -

प्रवीण गुप्ता तथा परिवार

संचालक-गुप्ता सीमेंट डेपो, यशोदा नगर चौक, अमरावती.

गुरूकृपा से सब कुछ संभव है-रितेश शिरभाते

अमरावती- जीवन में प्रभु ने हमे जीवन दिया है लेकिन माता-पिता और गुरूदेव ने इसे संभाला है. गुरूकृपा से कुछ भी असंभव नहीं है. आज जिंदगी बहुत छोटी हो गई है, हर व्यक्ति को जितना संभव हो नेक काम करने और मानवता का दीपक जलाने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन श्री रूक्मिणी वल्लभ झुणका भाकर केन्द्र के संचालक और आचार्य रामराजेश्वराचार्य माऊली सरकार के अनन्य भक्त रितेश शिरभाते ने किया. गुरूदेव के चरणों में अपार संतोष मिलने तथा कई अनुभवों को बताते हुए रितेश शिरभाते भावुक हो जाते हैं. उनके मुताबिक वे भाग्यशाली हैं, जिन्हें गुरूजी का सानिध्य मिला है.विदर्भ के रूक्मिणीपीठ के साथ ही गुरूजी के साथ रहने पर अपार उर्जा प्राप्त होने की बात कहते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में गुरूजी ने जिस तरह से संभाल लिया है, निश्चिंत किया है, वह उनके जीवन की सबसे बड़ी कमाई है.उनके मुताबिक भक्तिभाव से जीवन संवरता है और खुशियां ही खुशियां मिलती हैं. उन्होंने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सुख,समृद्धि तथा स्वास्थ्य की कामना की. विदर्भ स्वाभिमान को दिए गए साक्षात्कार में रितेश शिरभाते ने कहा कि बढ़ती आत्महत्याओं , युवाओं में गुस्सा होने के साथ ही अन्य कई परेशानियां व्यक्ति का स्वास्थ्य बिगाड़ती हैं. इसके लिए सद्गुरू का सानिध्य और आशिर्वाद के साथ ही आदर्श संस्गकार मिलना जरूरी होता है. युवाओं को व्यसन से दूर रहने और अपने माता-पिता का सहारा बनने की सीख देते हुए रितेश शिरभाते कहते हैं कि माता-पिता के अरमानों के साथ ही आदर्श विचार आपको आगे बढ़ाते हैं. उनके मुताबिक मेहनत, लगन, जिद और सदैव प्रयास करते रहने वाला इन्सान जीवन में कभी विफल नहीं होता है. ऐसे में सदैव इन विशेषताओं को स्वयं में प्राप्त करें. जीवन तो प्रभु का प्रसाद है, यह खुश होकर और सभी को खुश रखते हुए जीने का प्रयास करना चाहिए.